DOON UNIVERSITY
NEWSPAPER CLIPPING SERVICES

न्यूक्लियर एनर्जी से प्रदूषण का खतरा

आयोजन

देहरादून। वरिष्ठ संवाददाता। आज भले ही न्यूक्लियर एनर्जी सतत ऊर्जा का बड़ा श्रोत हो। लेकिन उससे वायु प्रदूषण का भी बड़ा खतरा है। ऐसे में इससे निपटने के लिए बड़ी रणनीति बनानी होगी। यह बात भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर यानी बार्क के वैज्ञानिक बीके सापरा ने बुधवार को दून विवि में चल रही राष्ट्रीय एयरोसोल कांफ्रेंस के दौरान कही।

उन्होंने ये भी बताया कि न्यूक्लियर एनर्जी से होने वाले प्रदूषण भी वायु को भी वायु प्रदूषण का एक बड़ा कारण माना जाता है। वहीं बार्क के पूर्व वैज्ञानिक वाईएस मैय्या ने एरोसोल की हिस्ट्री और उसके बारे में विस्तार से

बार्क के वैज्ञानिक बोले न्यूक्लियर एयरोसोल से निपटने के लिए बनानी होगी ठोस रणनीति

बताया। ये भी बताया कि कैसे वायु के इन बड़े कणों यानी एरोसोल को कैसे हटाया जा सकता है। वहीं अमेरिकी वैज्ञानिक माइक बर्गेन ने सेंसर की बारे में जानकारी दी।

आईआईटी चैन्नई के वैज्ञानिक सचिन गुंथे ने फंगस फैलने के लिए आनलाइन पता लगाने की तकनीकों के बारे में चल रहे शोधों की जानकारी दी। वहीं चंडीगढ़ विवि के पूर्व वीसी अरुण ग्रोवर ने एरोसोल के इतिहास और उसके फायदों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में दून विवि के पर्यावरण विभाग के प्रोफेसर डा. विजय श्रीधर भी मौजूद रहे।

दून विवि में चल रही राष्ट्रीय एयरोसोल कांफ्रेंस में विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया।

News paper –Hindustan
Date– 19.12.2024